भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3841

11 दिसम्बर, 2019 को उत्तर के लिए

टैंक-रोधी मिसाइल की खरीद

3841. श्री सी.एन. अन्नादुरई:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इज़राइल से टैंक-रोधी मिसाइलों की खरीद हेतु कोई क्रयादेश दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो खरीदी जाने वाली मिसाइलों की कुल संख्या कितनी है और भारतीय मुद्रा में उनकी लागत कितनी है;

(ग) अन्य देशों से खरीदी गई अन्य समरूप मिसाइलों से यह किस प्रकार बेहतर है; और

(घ) ऐसी मिसाइलों का प्रयोग करने वाले अन्य देश कौन से हैं और क्या ऐसी मिसाइलें पाकिस्तान और चीन द्वारा भी अर्जित और विकसित की गई है?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क): जी, हां।

(ख): भारतीय सेना की **संक्रियात्मक** आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयुक्त मिसाइलों और संबद्ध प्रणालियों की खरीद की गई है।

(ग): स्पाइक लॉग्न रेंज (एलआर) एंटी-टैंक गाइडेट (एटीजीएम) सिस्टम एक मैन पोर्टेबल चौथी पीढ़ी सिस्टम है, जो फायर और फॉरगेट और फायर, ऑब्जर्वेशन और अपडेट मोड दोनों में टार्गेट को शामिल कर सकता है, इस प्रकार परिचालन लचीलापन और चालक दल का बचाव बढ़ता है। प्रणाली के दोहरे मोड साधक दिन और रात दोनों के दौरान सटीक जुड़ाव की अनुमति देता है। प्रणाली में टैंक के ठिकानों के खिलाफ मिसाइल की घातक क्षमता को बढ़ाने के लिए शीर्ष हमला करने की क्षमता भी है।

(घ): इज़राइल, जर्मनी, स्पेन चौथी पीढ़ी के स्पाइक एलआर एटीजीएम सिस्टम के अन्य उपयोगकर्ताओं में से हैं। खुले स्रोत में उपलब्ध इनपुट के अनुसार, चीन ने तीसरी पीढ़ी की एटीजीएम प्रणाली विकसित की है, जबकि पाकिस्तान में इतनी क्षमता नहीं है।

*****